

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन ।

संख्या में,

महाधिवक्ता,
उत्तराखण्ड,
नैनीताल ।

न्याय अनुभाग : 2

देहरादून : दिनांक : 27 जुलाई, 2007

विषय:- महाधिवक्ता, उत्तराखण्ड को उपयोगार्थ वाहन क्रय किये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2007-2008 में धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या 61/कार/ए०जी०/2007-08, दिनांक 7.5.2007 एवं 96/कार/2007, दिनांक 13.6.2007 का संदर्भ ज्ञापन करने का कष्ट करें ।

2. इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि महाधिवक्ता, उत्तराखण्ड को उपयोगार्थ स्वीकृत वाहन संख्या-यू०ए०-04जी०-0005 के प्रतिस्थापन के उपरान्त प्रोफार्मा इनवॉयस की लागत पर एक नई एक्सेलर कार को क्रय किये जाने हेतु रु० 4,44,500/- (चार लाख चौरासी हजार पांच सौ रुपये मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं :-

- (1) शासकीय वाहन के क्रय हेतु अनुपन्न व्यापार कर में छूट हेतु फार्म डी निष्पादित कर क्रय की कार्यवाही की जाय । स्वीकृत की जा रही धनराशि के उपयोग न होने की स्थिति में धनराशि शासन को समर्पित कर दी जाय ।
- (2) उक्त वाहन के क्रय में स्टैंडर्ड एक्सेसरीज के अलावा अन्य एक्सेसरीज हेतु धनराशि सम्मिलित नहीं है ।
- (3) वाहन के क्रय में डी०जी०एस० एण्ड डी० की दरों पर किया जाय ।
- (4) वाहन की निष्प्रयोज्यता से सम्बन्धित समस्त कार्यवाही/निष्प्रयोज्य घोषित करना, वाहन की नीलामी एवं अर्जित राशि को राजकोष में जमा करना आदि) वाहन क्रय की स्वीकृति के तीन माह के अन्दर पूर्ण कर, उक्त कार्यवाही के पूर्ण करने के समस्त साक्ष्य सहित शासन को इसी अवधि में उपलब्ध करा दी जाय । यदि उक्त कार्यवाही समयान्तर्गत पूर्ण न करने के फलस्वरूप राज्य सरकार को राजस्व में कोई हानि होती है, तो उसको वसूली सम्बन्धित पद धारक से की जायेगी ।
- (5) यह भी सुनिश्चित करें कि उपर्युक्त अनुदान से अधिक व्यय किसी भी दशा में न किया जाय ।
- (6) व्यय ठमो मद में किया जायेगा जिनके लिए यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है ।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-2008 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेतर-114-विधि सलाहकार और परामर्शदाता(काउन्सिल)-03-महाधिवक्ता-00-14-कार्यालय प्रयोगार्थ स्टाफ कारों/मोटर गाड़ियों का क्रय" के नामे डाला जायेगा ।

3- यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अशासकीय संख्या-729/XXVII(5)/2006, दिनांक 26.7.2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं ।

भवदीय,

(आर०डी०पालीवाल)

सचिव ।

संख्या : 7-दो(6)/XXXVI(1)(2)/2007-9-दो(6)/03

प्रतिलिपि निम्नलिखित को मुन्नार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून ।
- 2- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
- 4- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन ।
- 5- एन०आई०सी०/सम्बन्धित सहायक/गार्ड फुल ।

आज्ञा से,
(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव ।